No. of Printed Pages : 8

BPYE-002

B. A. PHILOSOPHY (BDP)

Term-End Examination

June, 2020

BPYE-002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the five questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answer to Question No. 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. Examine the constitutional safeguards against the structural violence against dalits. 20

Or

Trace the historical roots of the tribals.

2. Examine philosophy as a tribal life experiences and tribal wisdom. 20

Or

Discuss Dalit emancipation in the light of Gramsci's thought.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each : 10 each

(a) Explain marginalisation of Dalits in Indian society. Bring out the role of Bhakti movement in fighting casteism.

(b) Discuss the contribution of Ambedkar to an alternate Dalit historiography.

(c) Examine the impact of scientific culture and globalisation on dalits.

(d) Explain purity to the tribe with reference to their moral values.

4. Answer any *four* of the following in about 150 words each : 5 each

   (a) Give a brief account of the Dalit's outlook on life.

   (b) State the Vedic views on caste and class.

   (c) Narrate briefly the human values cherished by tribal people.

   (d) What do you understand by tribal folklore ?

   (e) How does clan play an important role in tribal social relationships ?

   (f) Trace the origins of untouchability.

5. Write short notes on any *five* of the following in about 100 words each : 4 each

   (a) Tribal Morality

   (b) Cosmotheandrism

   (c) Animism

(d) Historiography

(e) Deconstruction

(f) Civil Society

(g) Law of Inheritance and Partition

(h) The Mundas and the Oraons.

बी.पी.वाई.ई.-002

बी. ए. दर्शनशास्त्र (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

बी.पी.वाई.ई.-002 : जनजातीय एवं दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

---

1. दलितों के विरुद्ध होने वाली संरचनात्मक हिंसा से रक्षा हेतु संवैधानिक प्रावधानों का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

जनजातियों की ऐतिहासिक जड़ों पर प्रकाश डालिए।

2. दर्शनशास्त्र का जनजातीय जीवन अनुभव और जनजातीय प्रज्ञा के रूप में परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

ग्राम्शी के विचारों के परिप्रेक्ष्य में दलित विमुक्ति पर चर्चा कीजिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) भारतीय समाज में दलित हाशियकरण की व्याख्या कीजिए। जातिवाद से लड़ाई में भक्ति आन्दोलन की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(ख) वैकल्पिक दलित इतिहास लेखन में अम्बेडकर के योगदानों पर चर्चा कीजिए।

(ग) दलितों पर वैज्ञानिक संस्कृति और वैश्वीकरण के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

(घ) जनजातीय शुद्धता की उनके नैतिक मूल्यों के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

4. किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) जीवन के प्रति दलित दृष्टि का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(ख) जाति और वर्ग सम्बन्धी वैदिक विचार को स्पष्ट कीजिए।

(ग) जनजातीय लोगों द्वारा स्वीकृत मानव मूल्यों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(घ) जनजातीय लोक साहित्य से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) जनजातीय सामाजिक सम्बन्धों में वंश किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ?

(च) अस्पृश्यता की उत्पत्ति को खोजिए।

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) जनजातीय नैतिकता

(ख) कॉस्मोथियेन्ड्रिज्म

(ग) सर्वात्मवाद (Animism)

(घ) इतिहास लेखन

(ङ) विखण्डनवाद

(च) सभ्य समाज

(छ) उत्तराधिकार एवं विभाजन सम्बन्धी कानून

(ज) मुण्डा और ओराँव